नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
# महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.....  दिनांक : 24-09-2019

## प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह** के अवसर पर बी.एड्. विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर **रचना सिंह** ने बोलते हुए कहा कि स्वैच्छिक सामूदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास का प्राथमिक उद्देश्य ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य लक्ष्य है। सेवा और संवेदना के प्रति समर्पित युवाओं के माध्यम से समाज के वंचित वर्गो के मध्य जाकर उनकी पीड़ा और कठिनाईयों को समझना और उनका सहयोग करना राष्ट्रीय सेवा योजना के कर्मयोगियो का मुख्य कार्य है। मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि और उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। हर मनुष्य में मानवीय गुण मौजूद रहता है। तमाम बार वह प्रस्फुटित नहीं हो पाता और इसी कारण मनुष्य और समाज में विकृति उत्पन्न होने लगती है। राष्ट्रीय सेवा योजना मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों के उन्मूलन का सशक्त साधन बन सकता है।

इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्रवक्ता **डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह** ने कहा कि मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक कर स्वस्थ समाज के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव होती है। जानकारी और जागरुक्ता के आभाव में विशेष रुप से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की बिमारियां जन्म ले लेती हैं। स्वयं सेवक एवं स्वय सेविकाएं सेवा भावना के साथ यदि कार्य करें तो थोड़े प्रयास से ही बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम अधिकारी **किरन सिंह** ने कहा कि श्रम, सेवा और साधना मनुष्य की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। यदि नौजवान इस मंत्र को अपने जीवन में उतार ले तो भारत का गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। उन्होने कहा कि बदलते भारत में महिलाओ की भूमिका अत्यधिक प्रभावी हुई है। स्वयं सेविकाएं जिस निष्ठा और समर्पण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर समाज के आभावग्रस्त लोगों के वीच कार्य कर रहीं हैं वह उज्ज्वल भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाला है।

कार्यक्रम में बोलते हुए वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. सौरभ कुमार सिंह** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक है। जागृत युवा ही मजबूत राष्ट्र का आधार होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना न केवल युवाओं को ऐसे पुनित कार्य करने का मंच प्रदान करता है बल्कि अपनें युवा शक्ति के माध्यम से राष्ट्र सेवा के पवित्र कार्य का अनवरत माध्यम बना हुआ है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक/सेविकाएं सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

**(डॉ. राजेश शुक्ला)**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी